जब इंसान की जरूरते बदल जाती है, तब उसका बात करने का अंदाज भी बदल जाता है।
– अज्ञात

आरबीआई ने कई कदम उठाए

सरकार अलग–अलग सेक्टरों के लिए खास योजनाएं बनाएगी। इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय, उद्योग मंत्रालय और नीति आयोग के बीच कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। कुछ क्षेत्रों पर खास फोकस किया जाएगा, जैसे फार्मा इंडस्ट्री।

चंचल वर्मा।

देश में कोरोना वायरस से निपटने की तैयारी हर स्तर पर चल रही है। भारतीय अर्थव्यवस्था को इसके असर से बचाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने कई कदम उठाए हैं। सोमवार को उसने लांग टर्म रेपो ऑपरेशन (एलटीआरओ) का दायरा बढ़ाने का फैसला किया।

एलटीआरओ एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को एक से तीन साल के लिए वर्तमान रेपो रेट (5.15 प्रतिशत) पर कर्ज उपलब्ध कराता है। बदले में बैंक कोलैटरल के तौर पर अपने पास मौजूद पब्लिक सिक्युरिटीज यानी सरकारी बॉन्ड रिजर्व बैंक के पास गिरवी रखते हैं। इस कदम का उद्देश्य बैंकों को अपनी ब्याज दरें घटाने के लिए प्रेरित करना है। इसके पहले रिजर्व बैंक चार बार, 17 फरवरी, 24 फरवरी, 1 मार्च और 9 मार्च को एलटीआरओ का संचालन कर चुका है। इस सस्ते फंड के बल पर बैंकों ने अगर अपना कर्ज सस्ता किया तो बाजार में कुछ गति आ सकती है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि नए एलटीआरओ के जरिए कई हिस्सों में एक लाख करोड़ रुपये सिस्टम में डाले जाएंगे। इसके अलावा आरबीआई ने छह महीने तक दो अरब डॉलर की खरीद–बिक्री करने का फैसला किया है, जिसका मकसद देश के विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में तरलता बनाए रखना और डॉलर की जरूरतों को आसान बनाना है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में जो तेज गिरावट देखी जा रही है, उस पर आरबीआई के इस कदम से कुछ लगाम लगेगी। शक्तिकांत दास के मुताबिक देश के कई हिस्सों में नीलामी के जरिए डॉलर की खरीद–बिक्री (स्वैप) की जाएगी। कोरोना वायरस से इंडस्ट्री पर पड़ने वाले असर को कम करने के लिए सरकार ने सेक्टोरल पैकेज की तैयारी शुरू की है। सरकार अलग–अलग सेक्टरों के लिए खास योजनाएं बनाएगी। इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्रालय, उद्योग मंत्रालय और नीति आयोग के बीच कई दौर की बैठकें हो चुकी हैं। कुछ क्षेत्रों पर खास फोकस किया जाएगा, जैसे फार्मा इंडस्ट्री। दवा कंपनियां अपना 75 फीसदी कच्चा माल (एपीआई) बाहर से मंगाती हैं।

सरकार इसकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए नई कंपनियां लगाने वालों को विशेष रियायत देगी। इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट बनाने वाली कंपनियों पर भी सरकार की नजर है। उनके लिए तीन स्कीमें सरकार ने तैयार की हैं। एक्सपोर्ट–इंपोर्ट सेक्टर के लिए भी सरकार खास तैयारी कर रही है जिसमें कपड़ा, चमड़ा और केमिकल्स के एक्सपोर्ट पर ज्यादा जोर रहेगा। सरकार ने चाइना वन प्लस पॉलिसी भी बनाई है। इसके तहत चीन में उत्पादन करने वाली कंपनियों को भारत में काम शुरू करने पर विशेष रियायत दी जाएगी। सरकार को ध्यान रखना होगा कि मौजूदा संकट से लोगों की नौकरियां न जाएं। सर्विस सेक्टर पर खास तौर से नजर बनाए रखने की जरूरत है क्योंकि कोरोना वायरस के प्रसार से सबसे ज्यादा संकट उसी पर आया है।

मेरा जीवन और बुद्ध

अशोक वोहरा।

बुद्ध व्यक्ति को अपने विचारों की प्रक्रिया पर सवाल करने और साथ ही साथ सचेतता और ध्यान से मानसिक स्थिरता का विकास करने की अनुमति देते हैं। आप क्या सोचते हैं, करते हैं और बोलते हैं उसकी सचेतता की प्रक्रिया ही नकारात्मक प्रभाव को दैनिक जीवन से दूर रखने की जड़ है। साथ ही उन्होंने जिज्ञासुओं को उनकी शिक्षा को ग्रहण करने के पहले खुद को तर्क के आधार पर संतुष्ट होने के लिए प्रेरित किया। इसी जीवन में इच्छाओं और यातनाओं से ऊपर उठ आजाद होने के लिए पंचशील का पालन करें। ये उपदेश, ईमानदारी पूर्वक जीवन जीना, हत्या, चोरी, झूठ बोलने, व्यभिचार और ऐसे नशीले पदार्थों से बचना जिससे असावधानी की अवस्था आती हैं। प्रार्थना पूरे जग के लिए प्रेम, क्षमा और खासतौर पर वह जो आपकी प्रार्थना से उपार्जित होता है जिसे बाकी लोगों से साझा किया जाता है।

संपादकीय

तकनीक में छलांग

भारत ने नए दौर की अत्याधुनिक तकनीक के विकास में काफी तत्परता दिखाई है, उसी का सुखद परिणाम है कि आज हम तकनीकी नवाचार के मामले में विश्व में चीन के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कंसल्टेंसी फर्म केपीएमजी के 2020 ग्लोबल टेक्नॉलजी इंडस्ट्री इनोवेशन सर्वे के अनुसार आर्टिफशल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के क्षेत्र में नई खोजों और अनुसंधान के मामले में चीन के साथ भारत दूसरे नंबर पर पहुंच गया है।

टॉप पर अमेरिका है। यही नहीं विश्व के प्रमुख टेक्नॉलजी हब में बंगलुरु टॉप टेन में पहुंच गया है। उसका स्थान नौवां है। केपीएमजी के अनुसार भारत में पिछले कुछ वर्षों में पूंजी के बढ़ते प्रवाह और शहरीकरण ने तकनीकी शोध और अनुसंधान के लिए उपयुक्त माहौल तैयार किया है। भारत में विशाल युवा आबादी का होना भी इसमें सहायक है। कुछ विशेषज्ञों की राय है कि अमेरिकी की हाल की कठोर वीजा नीति भारत और चीन के लिए सकारात्मक साबित हुई है। कई तकनीकी विशेषज्ञ इस कारण अमेरिका जाने से वंचित रह गए या उन्हें स्वदेश लौटना पड़ा और उन्होंने अपने देशों में बेहतर काम किए। वैसे भारत में पिछले कुछ समय से तकनीकी विकास का बेहतर माहौल बना है। केंद्र सरकार ने महसूस किया है कि अगर देश को विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना है तो उस तकनीक को अपनाना होगा, जो भविष्य में अहम भूमिका निभाने वाली है। इसी को ध्यान में रखकर कई योजनाएं शुरू की गईं जैसे डेटा पार्क, टाइड 2.0, सीओई और डिजिटल इंडिया।

मोदी ने कहा कि हम एक साथ आकर आपसी समन्वय और तालमेल से भ्रम और घबराहट को दूर करके पूरी तैयारी के साथ इस महामारी से निपटेंगे।

महामारी से निपटेंगे

मनोज झा।

भारत में कोरोना वायरस से निपटने के लिए भरपूर तैयारियां की जा रही हैं। अपने इस अभियान में देश ने अपने पड़ोसियों को भी साथ लेकर चलने का फैसला किया है, ताकि सबको एक–दूसरे के संसाधनों और अनुभवों का लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस महामारी को लेकर रविवार को सार्क राष्ट्रप्रमुखों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चर्चा की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खां को छोड़कर बाकी सभी सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस विडियो कांफ्रेंसिंग में शामिल हुए। पाकिस्तान की ओर से प्रधानमंत्री के प्रतिनिधि ने इसमें हिस्सा लिया। मोदी ने कहा कि हमें कोरोना से घबराने की नहीं बल्कि साथ मिलकर लड़ने की जरूरत है। यह भी कि हम एक साथ आकर आपसी समन्वय और तालमेल से भ्रम और घबराहट को दूर करके पूरी तैयारी के साथ इस महामारी से निपटेंगे। उन्होंने एक कोविड–19 आपातकालीन कोष बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसमें सभी देश स्वैच्छिक योगदान करेंगे। इस कोष के लिए भारत ने एक करोड़ डॉलर दिया है।

डॉक्टरों और विशेषज्ञों की एक त्वरित कार्रवाई टीम का गठन भी भारत कर रहा है जो परीक्षण किट और दूसरे जरूरी उपकरणों से लैस होगी।

जब भी दक्षिण एशिया के किसी देश को जरूरत होगी, यह टीम तुरंत अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार रहेगी। एक एकीकृत रोग निगरानी पोर्टल शुरू किया जा रहा है, जिससे इस विषाणु के एक व्यक्ति से दूसरे तक फैलने की प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी। गौरतलब है कि दक्षिणी एशिया के सारे देश किसी न किसी स्तर पर कोरोना वायरस की चपेट में हैं और इलाके में रोज–ब–रोज इसके पीड़ितों की संख्या बढ़ती जा रही है।

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत में कोरोना से 116 लोग संक्रमित हैं, जबकि पाकिस्तान में 94, अफगानिस्तान में 21, श्रीलंका में 19, मालदीव में 13, बांग्लादेश में 8 और नेपाल–भूटान में एक–एक शख्स इस बीमारी से पीड़ित है। भारत की यह पहल जन स्वास्थ्य के अलावा क्षेत्रीय सौहार्द की दृष्टि से भी काफी अहम है।

कोरोना वायरस के साथ मुश्किल यह है कि इसे मारने का कोई तरीका अभी दुनिया में नहीं है। आगे यह क्या स्वरूप लेने वाला है, यह भी स्पष्ट नहीं है। लोगों में तरह–तरह की आशंकाएं हैं। ऐसे में एक–दूसरे का हाथ थामने से मनोबल बढ़ता है और समस्या से टकराने की ताकत बढ़ती है। पिछले कुछ वर्षों में हमने संक्रामक बीमारियों से निपटने का एक मजबूत तंत्र तैयार किया है। अभी तक कोरोना वायरस से काफी हद तक बचे रहना इसी के बूते संभव हो पाया है।

दुनिया भर में इसकी सराहना हो रही है। इन उपायों का लाभ हमारे पड़ोसियों को भी मिले तो यह अच्छी बात होगी। फिर, कोरोना के बहाने ही सही, अगर सार्क देशों में आपसी सहयोग का माहौल बनता है, एक समझदारी कायम होती है तो यह दक्षिण एशिया के हित में होगा। बहरहाल, भारत ने एक राह दिखाई है। दुनिया के और इलाकों में भी कोरोना वायरस से निपटने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

सूडोकु नवताल-5261

मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaan.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5260 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

अपना ब्लॉग

भागवत और मदनी

मोहन। देश नाजुक घड़ी से गुजर रहा है। ऐसे में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए और दोनों समुदायों के वरिष्ठ नेताओं को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत और जमीयत उलेमा–ए–हिंद के सदर मौलाना अरशद मदनी के बीच इस बारे में कुछ महीने पहले बातचीत भी हुई थी कि हिंदू–मुस्लिम एकता को कैसे मजबूत किया जाए। इस बारे में ठोस कदम उठाने की जरूरत है। धारा 153–क तथा 295–क में फर्क करने की जरूरत है। जिस भड़काऊ भाषण या बयान के कारण दंगा हो जाए वह धारा 153–क के अंतर्गत दंडनीय होगा। मगर धारा 295–क बिलकुल भिन्न है और आज इस धारा का सबसे ज्यादा दुरुपयोग हो रहा है। कोई भी व्यक्ति किसी के खिलाफ उसके किसी वक्तव्य का हवाला देकर देश के किसी हिस्से में मुकदमा दायर कर देता है कि उसकी धार्मिक भावना आहत हुई है। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है।